स्वदेश 24/8/2020

सांसद को 'भारत', नई शिक्षा नीति और भारतीय भाषाओं पर दिए ज्ञापन

इंदौर ● स्वदेश समाचार

राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से प्रचलित भारत बने भारत अभियान के सेवा मंडल द्वारा इंदौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद शंकर ललवानी को 3 ज्ञापन भेंट किए गए। सांसद श्री ललवानी ने अभियान को पूरा समर्थन देते हुए सहयोग का विश्वास व्यक्त किया।

भारत बने भारत अभियान की ओर से यह ज्ञापन सुश्री विजयलक्ष्मी जैन, श्रीमती रेणु जैन, (कुलपति) श्रीमती संगीता मेहता, श्रीमती रेखा आचार्य, श्रीमती कौशल्या पतंगिया, श्रीमती शोभा जैन एवं श्रीमती माया इंगले द्वारा प्रदत्त किए गए। अभियान के सेवा मंडल द्वारा सांसद को अभियान का परिधान, परिचय पत्र और किताबें भी भेंट की गईं। प्रथम ज्ञापन में भारत बने भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री को संबोधित हस्ताक्षर अभियान के हस्ताक्षरित पत्रों का बंडल प्रधानमंत्री को प्रेषित करने हेतु सांसद को सौंपा गया, जिसमें देश का नाम देशी और विदेशी सभी भाषाओं में केवल भारत ही प्रचलित करने का अनुरोध किया गया है। द्वितीय ज्ञापन में नई शिक्षा नीति को संसद में स्वीकृत कराने एवं अगले शिक्षा सत्र से पूरे देश में लागू करवाने हेतु सक्रिय प्रयास करने का निवेदन किया गया है।

तीसरे ज्ञापन में हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं की व्यावहारिक जीवन में उपेक्षा के प्रति खेद व्यक्त करते हुए अनुरोध किया गया है कि जब नई शिक्षा नीति में मातृ भाषाओं को प्रतिष्ठा प्रदान की गई है तो सभी शासकीय घोषणाओं, योजनाओं, दस्तावेजों के शीर्षकों एवं प्रारूपों में भी भारतीय भाषाओं की शब्दावली का उपयोग होना चाहिए। अतः मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा स्वतंत्रा दिवस पर घोषित उन्नत विद्यालयों के नाम सीएम राइज स्कूल के स्थान पर मुख्यमंत्री उन्नत विद्यालय रखा जाना चाहिए। इसी ज्ञापन में नगर निगम द्वारा इंदौर शहर में जगह-जगह बड़े-बड़े अंग्रेजी अक्षरों में लिखे शहर के नाम इंदौर को अंग्रेजी से बदलकर हिन्दी और भारतीय भाषाओं में इन्दौर लिखने का अनुरोध किया गया है। इस मौके पर सांसद शंकर ललवानी ने कहा कि, भारत बने भारत अभियान का मैं पूरा समर्थन करता हूं। हम क्यों अंग्रेजों की गुलामी करें? क्यों हम इंडिया कहें? मैं भारत बने भारत अभियान के सदस्यों का इसके लिए धन्यवाद करता हूं कि आप लोगों ने हमें इस ओर